

5 शुक्रतारे के समान

मौखिक

-1-

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में दीजिए-

1. महादेव भाई अपना परिचय किस रूप में देते थे?

ज) महादेव भाई अपना परिचय गांधीजी के 'पीर-बावर्ची-भिशती-खर' के रूप में देते थे।

2. 'यंग इंडिया' साप्ताहिक में लेखों की कमी क्यों रहने लगी थी ?

ज) अंग्रेजी संपादक हार्निमैन यंग इंडिया के लिए लेख लिखते थे। वे गाँधीजी के अनुयायी थे। इस कारण से उन्हें देश से निकाल दिया गया। तब से यंग इंडिया में उनके लेखों की कमी रहने लगी थी।

3. गाँधीजी ने 'यंग इंडिया' प्रकाशित करने के विषय में क्या निश्चय किया?

ज) गाँधीजी यंग इंडिया को सप्ताह में दो बार प्रकाशित करने का निश्चय किया।

4. गाँधीजी से मिलने से पहले महादेव भाई कहाँ नौकरी करते थे ?

ज) गाँधीजी से मिले से महादेव भाई भारत सरकार के अनुवाद विभाग में नौकरी करते थे।

-2-

5. महादेव भाई झोलों में क्या भरा रहता था?

ज) महादेव भाई के झोलों में मासिक पत्रिकाएँ, जानकारियाँ, ताजा समाचार, पुस्तक भरी रहती थी।

6. महादेव भाई ने गांधीजी की कौन-सी प्रसिद्ध पुस्तक का अनुवाद किया था?

ज) महादेव भाई गाँधीजी के द्वारा लिखी गई 'सत्य के प्रयोग' का अनुवाद अंग्रेजी में किया।

7. अहमदाबाद से कौन-से दो साप्ताहिक निकलते थे ?

ज) 1 यंग इंडिया 2 नवजीवन

8. महादेव भाई दिन में कितनी देर काम करते थे?

ज) महादेव भाई दिन में 17-18 घंटे काम करते थे। चार घंटों में पूरा करनेवाला कार्य एक ही घंटे में पूरा कर लेते थे।

9. महादेव भाई से गांधीजी की निकटता किस वाक्य से सिद्ध होती है?

ज) महादेव की मृत्यु के बाद कई सालों तक जब भी प्यारे लाल जी को गाँधीजी बुलाते तो उस समय उनके मुँह से 'महादेव' का नाम ही निकलता था। इससे महादेव की निकटता का पता चलता है।

लिखिए: - 3 -

1. गाँधीजी ने महादेव को अपना वारिस कब कहा था ?

ज) महादेव, गाँधीजी के लिए पुत्र से भी बढकर है। सन् 1917 में गाँधीजी के पास पहुँचे थे। महादेव की कार्य कुशलता को पहचानकर गाँधीजी उन्हें उत्तराधिकारी पद को सौंप दिए। सन् 1919में जलियाँवाला बाग कांड के समय गाँधीजी गिरफ्तार हो गए। उस समय गाँधीजी उन्हें वारिस कहा था।

2 गाँधीजी से मिलने आने वालों के लिए महादेव भाई क्या करते थे?

ज) गाँधीजी से मिलने आनेवालों से महादेव मिलते थे। उनकी समस्याएँ सुनते थे। उन समस्याओं का एक संक्षिप्त टिप्पणी बनाकर गाँधीजी के सामने रखते थे। उसके बाद उन लोगों को गाँधीजी से मिलाने थे।

3.महादेव भाई की साहित्यिक देन क्या है ?

ज) महादेव भाई गाँधीजी की प्रतिदिन के कार्यकलापों पर टिप्पणियाँ, लेख, व्याकरण, प्रार्थना-प्रवचन , मुलाकातें, वार्तालाप पर टिप्पणियाँ लिखते थे। उन्होंने गाँधीजी की आत्मकथा 'सत्य का प्रयोग' का अंग्रेजी अनुवाद किया। शरदबाबू टैगोर आदि कहानियों का भी अनुवाद किया था।

4.महादेव भाई की अकाल मृत्यु का कारण क्या था ?

ज) महादेव की अकाल मृत्यु के कारण:-

- * अधिक समय कार्य में व्यस्त होना।
- * गर्मी के दिनों में वर्धा से चलकर सेवाग्राम आते थे और वापस जाते थे।
- * 11 मील रोज गर्मी में पैदल चलने के कारण उनका स्वास्थ्य पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ा। इससे उनकी अकाल मृत्यु हो गयी।

5.महादेव भाई के लिखे नोट के विषय में गाँधीजी क्या कहते थे ?

ज) महादेव भाई के द्वारा लिखित नोट सुंदर और सटी होते थे। उनमें कभी कामा (अल्प विराम चिह्न) तक की गलती भी नहीं होती थी।

ख

1.पंजाब में फ़ौजी शासन ने क्या कहर बनाया?

ज) पंजाब में फ़ौजी शासन ने बहुत कहर बरसाया। अधिकतर नेताओं को गिरफ्तार करके उम्र कैद की सजा दी गई। उन्हें कालापानी भेजा गया। राष्ट्रीय दैनिक पत्र ट्रिब्यून के संपादक को दस साल की सजा मिली। सन् 1919 में जलियाँवाला बाग हत्याकांड हुआ।

2 महादेव के किन गुणों ने उन्हें सबाक लाडला बना दिया था ?

ज) * महादेव प्रतिभा संपन्न व्यक्ति थे।

- * वे कर्तव्यनिष्ठ और विनम्र स्वभाव के थे।
 - * गाँधीजी से मिलने आनेवाले लोगों की सहायता करते थे।
 - * विरोधियों से भी विवेक से बात करते थे।
 - * वे हमारे भारत में ही नहीं विदेश में भी लोकप्रिय थे।
 - * वे अधिक समय गाँधीजी के साथ ही रहते थे।
- इसलिए वे गाँधीजी के लाडला बन गए।

3. महादेव की लिखावट की क्या विशेषताएँ थी ?

ज) * महादेव की लेख शुद्ध और सुंदर होती थी।

- * गाँधीजी वाइसराय को भेजने वाले पत्रों को महादेव से लिखाते थे।
- * उनकी लेखन कला से सब मुग्ध हो जाते थे।
- * उनके लेखों में अल्प विराम या हलन्त की गल्ती भी नहीं होती थी।
- * अंग्रेजी अफसर भी महादेव की लेखन कला की प्रशंसा करते थे।

आशय स्पष्ट कीजिए।

1. बाजार के लोग खरबूजे बेचनेवाली स्त्री के बारे में क्या-क्या कह रहे थे ?

ज) महादेव गाँधीजी के निजी सचिव एवं सहयोगी थे। वे गाँधीजी के हर काम करने के लिए तत्पर रहते थे। गाँधीजी की हर गतिविधि उनके भोजन और दैनिक कार्यों में साथ देते थे। मशक से पानी ढोनेवाला तथा बिना विरोध के गधे के समान काम करने वाला मानते थे।

2. लेखक ने बुढ़िया के दुःख का अंदाजा कैसे लगाया ?

ज) एक वकील के पेशे में उसका काम गलत को सही और सही को गलत साबित करना होता है। इस पेशे में पूरी तरह सच्चाई से काम नहीं होता। लक्ष्य केवल जीत होती है। इसी कारण गाँधीजी इस पेशे को छोड़ दिये।

M.BALARAM

M.BALARAM